मणिपुरी नृत्य में जुगलनर्तन पुंगचलोम एवं माई बी जगोई की अभिनव प्रस्तुति
पद्मश्री दर्शना झावेरी के नृत्य ने किया भावविभोर

जीआईसीटीएस महाविद्यालय में स्पिक मैके के सहयोग से पद्मश्री दर्शना झावेरी एवं समूह के द्वारा मणिपुरी नृत्य प्रस्तुत किया गया। 73 वर्षीय पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानीत दर्शना झावेरी जिन्हे मणिपुरी नृत्य की देवी के रूप में जाना जाता है, ने अपना संपूर्ण जीवन मणिपुरी नृत्य को सहेजने एवं बढावा देने के लिए समर्पित कर दिया है। 1953 से पद्मश्री दर्शना झावेरी लगातार 60 वर्षो से मणिपुरी नृत्य की सेवा की प्रस्तुति देती आ रही है। उन्होने अपने नृत्य की शिक्षा गुरू विपिन सिंह से ली है। उन्हे अपने सृजनात्मक योगदान के लिए कई सम्मान एवं अवॉर्ड प्राप्त हो चुके है। जिनमें नेशनल विश्व गुर्जरी अहमदाबाद, नाट्यकला प्रवीणा, चैनर्न्ई, गौरव पुरस्कार गुजराज, एसएनए, नेशनल एसएनए अवॉर्ड प्रेसीडेंट्स पद्मरी अवार्ड, आचार्य चूडामणि आदि प्रमुख है।

पद्मश्री दर्शना झावेरी के साथ संजीव भट्टाचार्य, मलाबी चौधरी, विनीता सिंह, अताशी चटर्जी, ब्रेजेन सिंह आदि ने भी नृत्य प्रस्तुतियाँ दी। नृत्य प्रस्तुतियों में राधा–कृष्ण की रासलीला जुगलनर्तन की प्रस्तुति हुई। उसके पश्चात् तांडव स्टाईल की बेहतरीन भाव–भंगिमाओं के साथ संजीब भट्टाचार्य द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें मुख्यतः हाथ के मूवमेंटल, बैठने की स्थिति के बारें में नृत्य के माध्यम से समझाया गया। उसके पश्चात् ब्रिजेन सिंह द्वारा पुंगचलोम ड्रम डांस की शानदार प्रसतुति हुई जो कि संकीर्तन का एक मुख्य भाग है। तत्पश्चात माई बी जगोई तथा लाईसेम जगोई की प्रस्तुति हुई। उसके पश्चात् कृष्ण एवं बलराम के कंदुक खेल का बहुत ही खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। जिसको मालबी चौधरी व संजीव भट्टाचार्य द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसे सभी सभी ने बहुत सराहा। इसी कडी में उत्कंठिता नाईका के भावों को दर्शना झावेरीजी ने बहुत खूबसूरती से प्रस्तुत किया, जब श्री कृष्ण नायिका से मिलने सही वक्त पर नहीं पहुंचते है। अंत में सभी कलाकारों के द्वारा क्लेप डांस (ताली नृत्य) की प्रस्तुति हुई।

कार्यक्रम की शुरूआत में माँ सरस्वती जी का पूजन तथा दीप प्रज्वलन हुआ। इस अवसर पर संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रो. आर.सी. श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. एस.के जैन, प्राचार्य डॉ. मुकेश शर्मा, डायरेक्टर प्रवीण वाकडे, डायरेक्टर प्रो. अजय शर्मा, एडीशनल डायरेक्टर प्रो. खानविलकर, एडीशनल डायरेक्टर डॉ. विशाखा मंडल, प्रो. प्रेक्षा नाईक, प्रो. आकांक्षा चतुर्वेदी सहित समस्त शिक्षक तथा छात्र छात्राऐं उपस्थित थे।